सिंहुँवा पंचायत शाहपुर में अनुसूचित जाति उप-योजना के तहत अति निर्धन परिवारों को मुफ्त में बकरे/बकरियां, पशु आहार, खनिज मिश्रण, दवाईयाँ, चैफ कटर एवं तसला आवंटित

भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अन्तर्गत सिंहुँवा पंचायत, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा हि.प्र. में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 190 किसानों/पशुपालकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सिंहुँवा पंचायत के अति निर्धन ग्यारह परिवारों को संकर प्रजाति के ग्यारह बकरे, चवालीस बकरियाँ, 55 क्विंटल पशु आहार, 375 किलोग्राम खनिज मिश्रण एवं दवाईयाँ एवं तस्सले वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त 20 गरीबी रेखा से नीचे अनुसूचित जाति के परिवारों को चैफ कटर आवंटित किये गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री केवल सिंह पठानिया, विधायक शाहपुर विधानसभा क्षेत्र पधारे।

डा. गोरख मल, स्टेशन प्रभारी ने इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी किसानों/पशुपालकों को अनुसूचित जाति उप-योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह उप-योजना वर्ष 2019 में प्रारम्भ हुई। इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति के अति निर्धन परिवारों की आर्थिकी को सुदृढ़ करना है। उन्होंने चयनित परिवारों से अनुरोध किया कि बकरे/बकरियों की अच्छी देखभाल करें, ताकि यह आजिविका का साधन बन सके तथा आर्थिकी में सुधार हो सके। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2023 मोटे अनाजों (International Year of Millets) का अंतराष्ट्रीय वर्ष के रुप में मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य किसानों/पशुपालकों को मोटा अनाज जैसे कि बाजरा, ज्वार, जों, रागी इत्यादि उगाने एवं सेवन हेतु प्रोत्साहित करना है। इन अनाजों को सुपर फूड्स के नाम से भी जाना जाता है। यह अनाज मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए अति लाभदायक है। इसके निरन्तर सेवन से हृदय रोग, मोटापा, मधुमय इत्यादि रोगों की संभावना काफी कम हो जाती है।

इस अवसर पर मोटे अनाज की रोटियां बनवाई गई एवं उसका सेवन भी किया गया। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत 548 एवं जनजातीय उपयोजना के अन्तर्गत 493 मुफ्त दुधारु बकरियां आवंटित की जा चुकि हैं। संस्थान द्वारा चलाई जा रही इन योजनाओं से लाभान्वित परिवारों में से 70% किसानों की आय में दोगुनी बढ़ोत्तरी हुई है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायता मिल रही है। क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर द्वारा किसान गोष्ठियां और पशु स्वास्थ्य शिविर से लगभग 14555 किसान (2017-

2022) लाभांभित हो चुके हैं। किसानों को अवगत करवाया कि वह पशुपालन से सम्बन्धित जानकारी एवं समस्या समाधान के लिए भाकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर से संपर्क कर सकते हैं।

मुख्य अतिथि श्री केवल सिंह पठानिया, विधायक शाहपुर ने अनुसूचित जाति उपयोजना की सराहना एवं किसानों/पशुपालकों को संस्थान द्वारा चलाई जा रही इस योजना एवं अन्य सभी सरकारी योजनाओं का भरपूर लाभ उठाने का आवाहन किया। डा. यू. एस. पति, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बकरियों में होने वाली बीमारियों के बारे में पशुपालकों को अवगत करवाया एवं इनके समाधान हेतु उपयोग होने वाली दवाईयों के बारे में जानकारी दी। डा. रिंकु शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा किसानों/पशुपालकों को आवंटित पशु आहार एवं खनिज मिश्रण का उपयोग एवं पशुओं में परजीवियों से होने वाले रोगो के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान किसान गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पधारे किसानों और पशुपालकों की पशुपालन एवं कृषि सम्बंधित समस्याओं का विभिन्न विषय–विशेषज्ञों द्वारा समुचित समाधान किया। वशिष्ठ अतिथि श्रीमती नीना ठाकुर, जिला परिषद ने संस्थान द्वारा चालित अनुसूचित जाति उप–योजना की सराहना की। पंचायत प्रधान श्री अजय कुमार शर्मा द्वारा अनुसूचित जाति उप–योजना के अन्तर्गत उनकी पंचायत को चयनित एवं अति निर्धन परिवारों की आजीविका वृद्धि हेतु सहायता करने के लिए संस्थान एवं स्टेशन प्रभारी का विशेष आभार व्यक्त किया गया।

उपयोजना प्रभारी डा. बीरबल सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने सुझाव दिया कि सरकारी योजनाएं आम जनता के कल्याण हेतु होती हैं, लेकिन इनकी सफलता किसानों द्वारा सकारात्मक दिलचस्पी पर निर्भर करती है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समस्त पंचायत वासियों और किसानों पशुपालकों के सहयोग के लिए धन्यवाद किया और प्रशंसा की।